

प्रेषक,

डा० एम०सी० जोशी  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,  
पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तरांचल लि०,  
देहरादून।

ऊर्जा विभाग,

देहरादून: दिनांक: 7, मई, 2005

विषय:-

**RIDF-IX योजना के अन्तर्गत पावर सैक्टर की सिस्टम इम्प्रुवमेंट परियोजना के लिये पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तरांचल लि० को वित्तीय वर्ष 2005-06 में नाबार्ड से धनराशि की स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 1591/I/2005-06(1)/27/03, दिनांक 31.03.2005 एवं संख्या 1591/I/2005-06(1)/27/03, दिनांक 29.04.2005 के क्रम में वित्तीय वर्ष 2004-05 में नाबार्ड से RIDF-IX योजना के अन्तर्गत पावर सैक्टर की सिस्टम इम्प्रुवमेंट 21 परियोजनाओं के लिये उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि० को स्वीकृत रु० 16,68,91,000.00 में से अवशेष धनराशि रु० 2,07,87,000.00 (रु० दो करोड़ सात लाख सत्तासी हजार मात्र) की वित्तीय वर्ष 2005-06 में स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- धनराशि का उपयोग नाबार्ड के गाईड लाईन्स के अनुसार सुनिश्चित किया जाय।
- 2- स्वीकृत धनराशि के आगणनों पर सक्षम अधिकारी का अनुमोदन प्राप्त किये बिना कार्य प्रारम्भ न किया जाय अथवा नियमानुसार पूर्व से अनुमोदित एवं चालू कार्यों पर ही व्यय किया जाय।
- 3- स्वीकृत धनराशि को आहरित करने के लिये बिलों पर प्रतिहरताक्षरित करने के लिये जिलाधिकारी, देहरादून को प्राधिकृत किया जाता है।
- 4- उक्त स्वीकृत ऋण पर 6.5 प्रतिशत की दर से ब्याज देय होगा। ऋण पर देय ब्याज की अदायगी त्रैमासिक रूप से की जायेगी, जिसकी अदायगी मार्च, 2005 से प्रारम्भ की जायेगी।
- 5- उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र शीघ्र उपलब्ध कराया जायेगा, जिससे नाबार्ड से अगली किश्त (प्रतिपूर्ति) शीघ्र प्राप्त की जा सके।
- 6- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष मासिक आधार पर वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा और धनराशि का व्यय करने में नाबार्ड के दिशा निर्देशों तथा वित्तीय नियमों का अनुपालन किया जायेगा।
- 7- व्यय करते समय बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूल्स, वित्तीय हस्त पुस्तिका, भित्तव्ययता के विषय में समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जाये।
- 8- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही योजनाओं पर किया जायेगा, जिनके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है और निर्धारित समय में इसका उपयोगिता प्रमाण पत्र नाबार्ड को एवं राज्य सरकार को उपलब्ध करा दिया जायेगा।

- 9- परियोजनावार अनुमानित विवरण उक्त वर्णित पूर्व शासनादेश दिनांक 31.03.2005 के साथ प्रेषित किया गया है।
- 10- मूलधन की अदायगी संलग्नक 2 में अंकित तालिका के अनुसार इंगित तिथियों से पूर्व की जायेगी।
- 11- स्वीकृत ऋण को चालू वित्तीय वर्ष 2005-2006 के आय-व्ययक के अनुदान सं० 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 6801-बिजली परियोजनाओं के लिये कर्ज-05-पारेषण व वितरण-आयोजनागत-190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश-05-पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन को नाबार्ड से ऋण (0105 से स्थानान्तरित)-30-निवेश/ऋण नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं० 446/XXVII(1)/2005, दिनांक 04 मई, 2005 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न:- यथोक्त।

भवदीय

/

(डा० एम०सी० जोशी)  
अपर सचिव

संख्या:-2123/1/2005-06(1)/27/03, तददिनांक।


प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- श्री एल०एम० पंत, अपर सचिव, वित्त, बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- वित्त अनुभाग-1, उत्तरांचल शासन।
- 6- नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 7- प्रमुख सचिव, मुख्य मंत्री को मा० मुख्य मंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 8- प्रभारी, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(डा० एम०सी० जोशी)

 अपर सचिव